यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री में भीषण आग

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **भोपाल में यूनियन कार्बाइड कारखाने में भीषण आग** लग गई। इस कारखाने में वर्ष 1984 में मिथाइल आइसोसाइनेट **(Methyl Isocyanate-MIC)** गैस के रिसाव के कारण हज़ारों लोगों की मृत्यु हो गई थी और लाखों लोग दिव्यांग हो गए थे।

मुख्य बिंदु:

- यहाँ लगी आग पर करीब एक घंटे बाद काबू पाया जा सका। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है।
- आग की इस घटना के बाद एक बार फिर लोगों में इस बात को लेकर भय व्याप्त है कि इससे निकलने वाला धुआँ उनके शरीर पर क्या प्रभाव डालेगा।
- **वर्ष 1984 की गैस त्रासदी** के बाद इस कारखाने को बंद कर दिया गया था।

भोपाल गैस त्रासदी

- **परिचय:**
  - **भोपाल गैस त्रासदी** इतिहास में **सबसे गंभीर औद्योगिक दुर्घटनाओं** में से एक थी जो **2-3 दिसंबर, 1984 की रात भोपाल, मध्य प्रदेश** में **यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (UCIL) कीटनाशक संयंत्र** में घटित हुई थी।
  - इस दुर्घटना में लोगों और पशुओं के अत्यधिक ज़हरीली गैस मिथाइल आइसोसाइनेट (MIC) के संपर्क में आने के कारण **तत्काल मौतें तथा दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभाव देखे गए**।
- **गैस रिसाव का कारण:**
  - गैस रिसाव का सटीक कारण अभी भी कॉर्पोरेट लापरवाही या कर्मचारियों की अनदेखी के बीच विवादित है। हालाँकि इस आपदा के कुछ कारक निम्नलिखित हैं:
    - UCIL संयंत्र में **खराब रखरखाव वाले टैंकों में बड़ी मात्रा में MIC का भंडारण** किया जा रहा था जो अत्यधिक प्रतिक्रियाशील और वाष्पशील रसायन है।
    - वित्तीय घाटे और बाज़ार प्रतिस्पर्द्धा के कारण संयंत्र **का संचालन कम कर्मचारियों और सुरक्षा मानकों** के साथ किया जा रहा था।
    - **संयंत्र घनी आबादी वाले क्षेत्र में स्थित था, जहाँ आस-पास के निवासियों हेतु कोई उचित आपातकालीन योजना** या चेतावनी प्रणाली नहीं थी।
    - आपदा की रात **जल की बड़ी मात्रा MIC भंडारण टैंकों (E610) (संभवतः दोषपूर्ण वाल्व या असंतुष्ट कार्यकर्त्ता द्वारा जान-बूझकर की गई तोड़फोड़ की वजह से)** में से एक में प्रवेश कर गई।
      - इसने ऊष्माक्षेपी अभिक्रिया **को उत्प्रेरित किया और टैंक के अंदर तापमान एवं दबाव को बढ़ा दिया**, जिससे वह फट गया और बड़ी मात्रा MIC गैस वातावरण में उत्सर्जित हो गई।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/fire-at-union-carbide-factory